भोपाल

प्रदीप जैन, भोपाल । श्री महावीर जयंती उत्सव भोपाल में अत्याधिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । जन्म जयंती कार्यक्रम सामूहिक रुप से मनाने के लिए सप्ताह भर पहले सभी मंदिरों की समितियों की बैठक में तय किया गया कि मुख्य कार्यक्रम भोपाल जैन समाज को आवंटित स्थान कीर्ति स्तंभ रोशनपुरा नाके पर मनाया जावेगा । नये भोपाल के लगभग सभी मंदिरों में जुलूस के रूप में बैण्ड बाजों एवं जयकारों की गूँज के साथ कीर्ति स्तंभ पर एकत्रित होकर श्री महावीर स्वामीजी का अभिषेक विधि विधान से किया गया ।

विशेष कार्यक्रम के रुप में 'एक शाम भगवान महावीर के नाम' जैन कवि सम्मेलन के रुप में मनाया गया, जिसमें भारत के विख्यात कवि श्री सुरेन्द्र शर्मा (हास्यकवि) दिल्ली, श्री पवन जैन (एडीजीपी) भोपाल एवं श्रीमती अंजू जैन गजियाबाद आदि कवियों ने जैन धर्म पर प्रकाश डालते हुए अपनी कविताओं के माध्यम से विशाल जन समुदाय को ओतप्रोत कर दिया । इस तरह से कविताओं का दौर देर रात तक चलता रहा । पुराने भोपाल में मुनिश्री 108 स्वभाव सागरजी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में शोभायात्रा निकाली गई, कार्यक्रम श्रीजी के अभिषेक एवं मुनिश्री प्रवचन के साथ संपन्न हुआ ।

विदिशा

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन । भगवान महावीर स्वामी की जन्म जयंती के उपलक्ष में इस बार चार दिवसीय कार्यक्रम बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ आर्यिका रत्न 105 पूर्णमति माताजी के ससंघ सानिध्य में मनाया गया । दि. 1 अप्रैल को प्रात: 5 बजे श्री चन्द्रप्रभु जिनालय से पार्श्वनाथ जिनालय, अरिहंत विहार, पार्श्वनाथ जिनालय रामद्वारा, शीतलनाथ दि. जैन मंदिर किला अंदर से निकलकर तिलक चौक होते हुए माधवगंज मालवीय उद्यान पहुँची, वहां ध्वजारोहण किया गया । दि. 2 अप्रैल को सभी मंदिरों में विशेष पूजा आराधना की गयी, मुख्य जुलूस किले अंदर छोटे जैन मंदिर से एवं पार्श्वनाथ जिनालय अरिहंत विहार से माताजी के ससंघ सानिध्य में निकलकर माधवगंज में पहुँचकर श्रीजी का अभिषेक पूजन किया गया । श्रीजी की शोभायात्रा का नगर में स्थान स्थान पर स्वागत किया गया । कार्यक्रम में माताजी एवं पूज्य आदित्य सागरजी के अध्यात्मिक प्रवचन हुए ।

अरिहंत विहार में 3 अप्रैल को श्री महावीर स्वामी विधान माताजी के सानिध्य में शाम को पालना, आरती, प्रश्नमंच, ध्यान शिविर का आयोजन किया गया । 4 अप्रैल को श्री पार्श्वनाथ महामंडल विधान, प्रवचन, शाम को आरती, प्रश्नमंच एवं ध्यान शिविर का आयोजन किया गया । महावीर जयंती कार्यक्रम के उपरांत माताजी का ससंघ मण्डीबामोरा की ओर विहार हो गया ।

अहमदाबाद

श्रेयांस धर्मसैया, अहमदाबाद । 1008 श्री संभवनाथ दि. जैन मंदिर गोमतीपुर के प्राचीन मंदिरजी पर श्री महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर भव्य शोभायात्रा हर्षोल्लास पूर्व निकाली गयी । श्रीजी की भव्य रथ यात्रा के साथ समाज के महिला पुरुष एवं युवा वर्ग पारम्परिक जुलूस के रुप में भगवान महावीर के अमर संदेशों का उद्घोष कर चल रहे थे। निर्माणाधीन जैन भवन के सामने से जब शोभा यात्रा निकली तो समाजजनों ने भवन निर्माण को देखकर हर्ष व्यक्त किया व निर्माण कार्य शीघ्र ही पूर्ण हो ऐसी प्रभुश्री से प्रार्थना की ।

हरीशचंद, अम्बिका नगर । अम्बिका नगर स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर से महावीर जयंती के पर्व पर सुबह 5.30 बजे प्रभातफेरी पारम्परिक जुलूस के पश्चात प्रभावना वितरण कर संपन्न हुआ । संध्या को श्रीजी के पालने कार्यक्रम में समाजजनों ने बढ़चढ़कर भाग लिया ।

गोमतीपुर । रेलवे स्टेशन व बस स्टेण्ड के नजदीक श्री 1008 संभवनाथ दि. जैन मंदिर के पास निर्माणाधीन जैन भवन का कार्य प्रगति पर है नगर में यात्रियों, विद्यार्थियों, व्यापारीगण एवं ईलाज हेतु आने वाले समाजजनों के ठहरने की उत्तम व्यवस्था का प्रबंध करा जाना प्रस्तावित है। इस भवन में 2 बड़े हॉल, 16 कमरे सुविधायुक्त भवन में लिफ्ट एवं एसी कमरों की व्यवस्था भी रखी गई है। भवन के निर्माण का कार्य तीव्रगति से चल रहा है, आप इस कार्य में सहयोग हेतु श्री हुकुमचंद पंचरतन 09428734940, श्री श्रेयांस धर्मसैया 07383875797, श्री सुरेन्द्र भाई 09427302587 से संपर्क कर सकते है ।

इन्दौर

इन्दौर नगर को उत्सवों का नगर कहा जाये तो अतिश्योक्ति नहीं होगी । हर उत्सव यहाँ बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। महावीर जयंती पर भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला । प्रात:काल से ही सभी जिनमंदिरों में भगवान महावीर के जन्मोत्सव की शोभायात्रा निकाली गयी । दिन में मुख्य समारोह काँच मंदिर, इतवारिया बाजार से प्रारंभ हुआ जिसमें नगर के सभी क्षेत्रों के समूह, विभिन्न सोशल ग्रुप, विभिन्न समाजों के समूह अपने अपने बैनर और झंडे लिये आकर्षक परिधानों में सम्मिलित हुए। प्रत्येक समूह की एक विशेष थीम और ड्रेस कोड था और वे भजनों के लय ताल पर नृत्य करते हुये चल रहे थे। इस वर्ष की मुख्य थीम ''गौहत्या निषेध'' थी जिसे सभी सामाजिक समूहों ने अपने अपने अंदाज में झाकियों, बैनरों और तख्तियों के माध्यम से प्रस्तुत किया । गोलालारीय समाज के 350 सदस्यों के साथ गौरक्षा की आकर्षक झांकी ने लोगों का मन मोह लिया । लगभग तीन घंटों तक पूरे राजबाड़ा क्षेत्र में शोभायात्रा चलती रही जिसमें हजारो नरनारियों ने उत्साह से भाग लिया । अनेक लोग सड़क के दोनो ओर खड़े होकर जुलूस में शामिल स्त्री पुरुषों का उत्साहवर्धन करते, पुष्पवृष्टि कर और मालाओं से उनका स्वागत करते नजर आये । वहीं कुछ संगठनों ने गर्मी में जल, शीतलपेय आदि द्वारा लोगों को राहत प्रदान की । शोभायात्रा का समापन कांच मंदिर पर हुआ, जहाँ श्रीजी का जन्माभिषेक किया गया । इस वर्ष इन्दौर नगर को 108 आचार्य श्री पुष्पदंतसागरजी एवं प्रसन्नसागरजी महाराज विशेष रुप से उपस्थित रहे । कार्यक्रम के अंत में मुनिद्वय के मंगल प्रवचन हुए । इस वर्ष शोभायात्रा की विशेषता रही सामाजिक समूहों द्वारा स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए जुलूस के पीछे पीछे सड़कों से कचरे को साफ करने की व्यवस्था की गयी जिसकी सराहना की गयी । आगामी वर्षों में कुछ ऐसे ही सुधार किये जाये ताकि हमारा उत्सव किसी अन्य के लिये परेशानी का कारण न बने । इतने बड़े जुलूस और हजारों नर नारियों की उपस्थिति से यातायात भी बाधित होता है, भविष्य में हम कुछ ऐसे कदम उठायें ताकि जरुरतमंद और आपातकालीन स्थितियों में यातायात का प्रबंधन किया जा सके तो हम महावीर स्वामी के संदेश ''जियो और जीने दो'' का पालन सही अर्थों में कर सकेंगे।

।। सादर श्रद्धांजली ।।

इन्दौर समाज के वरिष्ठ सदस्य **श्री आनंदकुमार चुन्नीलाल जैन** का देहांत 22.03.15 को हो गया है। आप अत्यंत सरल स्वभावी, धार्मिक, मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे । सामाजिक कार्यों में आपकी विशेष रुचि रहती थी । आपकी स्मृति में परिवारजनों ने गोलालारीय समाज को 11000 रु. एवं गोलालारीय दर्शन पत्रिका को 2100 रु. की राशि प्रदान की है ।

श्री जयकुमार, मुकेशकुमार, दिलीपकुमार, सुदेशकुमार एवं आजेशकुमारजी की माताजी **श्रीमती मुन्नीबाई जैन** का देहांत 8 अप्रैल को जबलपुर में हो गया । आप अत्यंत ही धार्मिक एवं सरल स्वभावी महिला थी।

गोलालारीय दर्शन परिवार
अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

आचार्य 108 श्री विशुद्ध सागरजी का ससंघ समागम

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन । आचार्य 108 श्री विशुद्ध सागरजी की उदयगिरी, विदिशा में दि. 15 अप्रैल को प्रात:काल की बेला में सकल दि. जैन समाज समिति, शीतल विहार न्यास एवं दयोदय संघ आचार्य विद्यासागर गौशाला समिति के संयुक्त तत्वावधान में उदयगिरी चौराहे पर भव्य अगवानी की गयी । उदयगिरी चौराहे से जयघोष के साथ आचार्य श्री का ससंघ उदयगिरी शीतल विहार न्यास में पदार्पण हुआ । आचार्यश्री ने ससंघ श्री मुनिसुव्रत नाथ भगवान के दर्शन किये । आचार्यश्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य श्री अशोक मानोरिया एवं एडवोकेट सुरेशचंद जैन ने प्राप्त किया । शास्त्र भेंट का सौभाग्य श्री प्रेमचंदजी, श्री प्रदीपकुमार जैन ने प्राप्त किया तत्पश्चात सभी श्रावक बंधुओं को आचार्यश्री के श्रीमुख से जिनवाणी रसास्वादन का अवसर प्राप्त हुआ ।

स्वयं के चित्त में पर के चित्त एवं पर के चित्र को प्रवेश नहीं करने दो, तो कोई अशांति नहीं होगी । आहारचर्या एवं सामायिक बाद दोपहर में भी जिनवाणी रसास्वादनका अवसर प्राप्त हुआ । रात्रि विश्राम कर दूसरे दिन 16 अप्रैल को आचार्यश्री सांची की ओर विहार करा ।